

बिहार की पहली खेल अकादमी एवं विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [राष्ट्रीय खेल दिवस](#) के अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री ने राज्य की पहली **खेल अकादमी और बिहार खेल विश्वविद्यालय** का उद्घाटन किया, जो [राजगीर में अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर](#) का एक हिस्सा है।

प्रमुख बिंदु

- अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में एक साथ 24 खेल वधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
 - खिलाड़ियों को एक ही परिसर में प्रशिक्षण, आवास और चिकित्सा सुविधाओं सहित सभी सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी
 - परिसर में एक मुख्य क्रिकेट स्टेडियम के साथ-साथ आठ छोटे स्टेडियम, एक विश्व स्तरीय खेल पुस्तकालय और विभिन्न खेलों के लिये प्रशिक्षण केंद्र शामिल हैं
 - मुख्य स्टेडियम में लगभग 50,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी, जबकि छोटे स्टेडियमों में 10,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी।
 - इसमें एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल, कबड्डी और कई अन्य खेलों के लिये सुविधाएँ शामिल हैं।
- सूत्रों के अनुसार राजगीर नवंबर में छह देशों की एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप की मेज़बानी करेगा
- राज्य सरकार ने जुलाई, 2021 में बिहार खेल विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी।
 - इस विश्वविद्यालय का प्राथमिक उद्देश्य बिहार राज्य में व्यायाम शिक्षा, खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी, खेल प्रबंधन और खेल प्रशिक्षण के क्षेत्रों में खेल शिक्षा को बढ़ावा देना है
 - विश्वविद्यालय को खेलों के लिये एक उच्च-स्तरीय अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करने के लिये तैयार किया गया है।

राष्ट्रीय खेल दिवस

- परिचय:
 - इस दिन को पहली बार वर्ष 2012 में भारत के राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में नामित और मनाया गया था
 - राष्ट्र अपने खिलाड़ियों का सम्मान करते हुए इस दिन को मनाता है
 - इस अवसर पर राष्ट्रपति भेज र ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और ध्यानचंद पुरस्कार जैसे खेल पुरस्कार प्रदान करते हैं।
- महत्त्व:
 - राष्ट्रीय खेल दिवस का प्राथमिक उद्देश्य खेलों के महत्त्व और दैनिकी जीवन में शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है
 - भारत सरकार राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये विभिन्न कार्यक्रम, आयोजन, सेमिनार आदि आयोजित करती है।